प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

18.12.2017 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे /

मुख्य समाचार''

- तेरहवीं विधानसभा में मतदाताओं ने भाजपा को दिया जनादेश– भाजपा के कई दिग्गजों को मिली पराजय।
- कांग्रेस के 5 मंत्री हारे– वीरभद्र सिंह और विक्रमादित्य सिंह जीते।
- हर पांच साल बाद सरकार बदलने की परिपाटी को मतदाताओं ने रखा कायम।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कमल लहराने पर मतदाताओं का जताया आभार।
- वीरभद्र सिंह ने हार का कारण संसाधनों की कमी बताया।

चुनाव

तेरहवीं विधानसभा के चुनाव में प्रदेश के मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए भारी बहुमत दिया है। 68 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से भाजपा को 44 जबकि कांग्रेस को 21 क्षेत्रों में जीत मिली है। दो क्षेत्रों में निर्दलीय और एक क्षेत्र में सी.पी.एम. के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह विजयी रहे हैं वहीं विपक्ष के नेता प्रेम कुमार धूमल हार गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ठाकुर सुखविन्दर सिंह विजयी रहे जबकि भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस पार्टी के हारने वाले दिग्गज नेताओं में मंत्रिमण्डल के सदस्य कौल सिंह ठाकुर, जी.एस. बाली, सुधीर शर्मा, प्रकाश चौधरी व ठाकुर सिंह भरमौरी शामिल हैं। इसी तरह विप्लव ठाकुर, चंद्र कुमार, कुलदीप कुमार और गंगू राम मुसाफिर भी हार गए हैं।

भाजपा के विजयी दिग्गजों में जयराम ठाकुर, सरवीण चौधरी, किशन कपूर, महेन्द्र सिंह ठाकुर व अनिल शर्मा शामिल हैं। जबकि गुलाब सिंह ठाकुर, रविन्द्र रवि, कृपाल परमार और महेश्वर सिंह को पराजय मिली है। वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह, बृज बिहारी लाल बुटेल के पुत्र आशीष बुटेल चुनाव जीत गए हैं जबकि पूर्व मंत्री स्वर्गीय कर्ण सिंह के पुत्र आदित्य विक्रम सिंह व कौल सिंह ठाकुर की पुत्री चम्पा ठाकुर हार गए हैं।

इतिहास को दोहराते हुए हिमाचल प्रदेश के मतदाता ने एक बार फिर अपना फैसला सुनाया है। भाजपा को सत्ता सौंप कांग्रेस को विपक्ष में बिठाने का फैसला दिया है। पूर्व अनुमानों के मुताबिक भाजपा व कांग्रेस को सीटें हासिल हुई हैं मगर दोनों ही दलों के लिए अनेक चौंकाने वाले नतीजे मतदाता ने सुनाए हैं। भाजपा के लिए सबसे अधिक मायूसी वाली बात विपक्ष के नेता प्रेम कुमार धूमल की हार है। इसी तरह पार्टी अध्यक्ष सतपाल सत्ती की हार से भी पार्टी नेता सकते में हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज भी मतदाताओं की नाराज़गी का शिकार हुए हैं। इनमें कांगड़ा से कद्दावर

नेता जी.एस. बाली की हार बेहद हैरानीजनक है। जबकि कौल सिंह ठाकुर जैसे वरिष्ठ नेता का हारना भी पार्टी के लिए सदमे से कम नहीं। विधानसभा में मतदाता ने अनेक नए चेहरों को पहुंचाया है। इनमें भाजपा के ... और कांग्रेस के .... विधायक शामिल हैं। भाजपा के समक्ष अब सबसे बड़ी चुनौती नेतृत्व को लेकर है और मुख्यमंत्री के लिए पार्टी को अब एक मज़बूत व परिपक्व नेता का नाम तलाशना होगा। नतीजे चाहे कैसे भी हैं मगर उम्मीद की जानी चाहिए कि नई सरकार आम लोगों की उम्मीदों और भाजपा द्वारा किए गए वायदों के मुताबिक लोगों को स्वच्छ व पारदर्शी प्रशासन देकर जन आकांक्षाएं पूरा करेगी।

कांगड़ा

सबसे अधिक 15 विधानसभा क्षेत्रों वाले कांगड़ा ज़िले में भाजपा को 11 सीटों पर सफलता मिली है। देहरा क्षेत्र से निर्दलीय होशियार सिंह ने भाजपा के रविन्द्र रवि को 5 हजार 7 सौ, धर्मशाला में भाजपा के किशन कपूर ने कांग्रेस के सुधीर शर्मा को 2 हजार 6 सौ जबकि फतेहपुर क्षेत्र में ऊर्जा मंत्री सुजान सिंह पठानिया ने भाजपा के किरपाल परमार को एक हज़ार 2 सौ 86 मतों से पराजित किया है। कांगड़ा से कांग्रेस के पवन काजल ने भाजपा के संजय चौधरी को 6 हजार 2 सौ 8, पालमपुर में कांग्रेस के आशीष बुटेल ने भाजपा की इंदु गोस्वामी को 4 हजार 5 सौ वोटों से हराया है। जयसिंहपुर में कांग्रेस विधायक यादवेन्द्र गोमा को भाजपा के रविन्द्र कुमार धीमान ने 7 हजार 5 सौ जबकि ज्वाली क्षेत्र से भाजपा के अर्जुन सिंह ने कांग्रेस के चंद्र कुमार को 5 हजार 5 सौ और बैजनाथ में भाजपा के मुल्खराज ने मौजूदा विधायक किशोरी लाल को 10 हज़ार 5 सौ मतों से हराया। इंदौरा क्षेत्र से भाजपा की रीता धीमान ने कांग्रेस के कमल किशोर को 9 सौ 50, शाहपुर से भाजपा की सरवीण चौधरी ने निर्दलीय मेजर विजय सिंह मनकोटिया को 3 हजार से अधिक वोटों से पराजित किया है। नगरोटा क्षेत्र से भाजपा के अरूण मेहरा ने कांग्रेस के जी.एस. बाली को 7 सौ 50 वोटों के अंतर से हराया। ज्वालामुखी क्षेत्र से भाजपा के रमेश धवाला ने कांग्रेस के मौजूदा विधायक संजय रतन को 5 हजार मतों जबकि नुरपुर से भाजपा के राकेश पठानिया ने मौजूदा विधायक अजय महाजन को 6 हजार वोटों से पराजित किया है। सुलह क्षेत्र से भाजपा के विपिन परमार ने कांग्रेस के मौजूदा विधायक जगजीवन पाल पर 5 हजार 5 सौ जबकि जसवां परागपुर से भाजपा के विक्रम ठाकुर ने कांग्रेस के सुरेन्द्र सिंह मनकोटिया पर एक हजार 8 सौ 62 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है।

मण्डी

मण्डी ज़िले के 10 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने 9 क्षेत्रों में जबरदस्त जीत हासिल की है। द्रंग क्षेत्र से स्वास्थ्य मंत्री कौल सिंह ठाकुर अपनी सीट बचाने में नाकाम रहे और भाजपा के ज्वाहर ठाकुर ने उन्हें 6 हज़ार 5 सौ 41 मतों से हराया। मण्डी सदर से भाजपा के अनिल शर्मा ने कांग्रेस की चम्पा ठाकुर पर साढ़े 10 हज़ार मतों से जीत दर्ज की है। सराज निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के जयराम ठाकुर ने कांग्रेस के चेतराम ठाकुर को 11 हज़ार 2 सौ 54 मतों जबकि बल्ह क्षेत्र से भाजपा के इंद्र सिंह गांधी ने कांग्रेस के प्रकाश चौधरी को 12 हज़ार 8 सौ 11 मतों से हराया है। धर्मपुर क्षेत्र से भाजपा के महेन्द्र सिंह ठाकुर ने कांग्रेस के चंद्रशेखर पर 11 हज़ार 9 सौ 64 मतों और सुन्दरनगर से भाजपा के राकेश जम्वाल ने मौजूदा विधायक सोहन लाल ठाकुर पर 9 हज़ार दो सौ 63 मतों से जीत दर्ज की है। नाचन सुरक्षित क्षेत्र से भाजपा के मौजूदा विधायक विनोद कुमार ने कांग्रेस के लाल सिंह को 15 हज़ार

8 सौ 96 मतों जबकि सरकाघाट से भाजपा के इंद्र सिंह ने कांग्रेस के पवन ठाकुर को 9 हज़ार 3 सौ 2 मतों से और करसोग से भाजपा के हीरालाल ने कांग्रेस के मौजूदा विधायक मनसा राम को 4 हज़ार 8 सौ 30 मतों के अंतर से हराया है। जोगिन्द्रनगर क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश राणा ने भाजपा के गुलाब सिंह ठाकुर को 9 हज़ार एक सौ 56 मतों से पराजित किया है।

शिमला

शिमला ज़िले में कुल 8 निर्वाचन क्षेत्रों में से 6 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। शिमला शहरी क्षेत्र से भाजपा के सुरेश भारद्वाज ने निर्दलीय हरीश जनार्था को एक हज़ार 9 सौ 3 मतों से हराया। शिमला ग्रामीण क्षेत्र से मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के पुत्र व कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने पहली बार चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा के प्रमोद शर्मा को 4 हज़ार 8 सौ 80 मतों से हराया। कसुम्पटी से कांग्रेस प्रत्याशी अनिरूद्ध सिंह ने भाजपा प्रत्याशी विजय ज्योति सेन को पराजित किया। वहीं रोहडू से कांग्रेस के मोहन लाल ब्राक्टा ने भाजपा की शशिबाला और जुब्बल कोटखाई से भाजपा के नरेन्द्र बरागटा ने कांग्रेस के रोहित ठाकुर पर जीत हासिल की है। ठियोग क्षेत्र से सी.पी.एम. के राकेश सिंघा विजयी रहे हैं। उन्होंने भाजपा के राकेश वर्मा को एक हज़ार 9 सौ 93 वोटों से पराजित किया। चौपाल से भाजपा प्रत्याशी बलवीर वर्मा ने कांग्रेस के सुभाष मंगलेट को पराजित किया।

सोलन

सोलन जिले के पांच निर्वाचन क्षेत्रों में तीन पर भाजपा जबकि दो पर कांग्रेस को जीत मिली है। अर्की क्षेत्र से मुख्यमंत्री व कांग्रेस प्रत्याशी वीरभद्र सिंह ने भाजपा के रतन पाल सिंह को 6 हजार 51 मतों से हराया। दून क्षेत्र से मौजूदा विधायक कांग्रेस प्रत्याशी रामकुमार चौधरी को भाजपा के परमजीत से 4 हजार 3 सौ 19 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। सोलन आरक्षित क्षेत्र से कांग्रेस के धनीराम शांडिल ने अपने दामाद भाजपा के राजेश कश्यप को कड़े मुकाबले में 6 सौ 71 मतों के अंतर से पराजित किया है। इसी तरह कसौली क्षेत्र में कड़े मुकाबले में भाजपा के राजीव सहजल ने कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी पर केवल 2 सौ 66 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। नालागढ़ क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी लखविन्द्र राणा ने भाजपा के के.एल. ठाकुर को एक हज़ार 2 सौ 42 मतों से पराजित किया है।

ऊना जिला

ऊना ज़िले में ऊना निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा अध्यक्ष व पार्टी उम्मीदवार सतपाल सत्ती कांग्रेस के सतपाल रायजादा से 3 हजार एक सौ 96 मतों से हार गए हैं। हरोली क्षेत्र से उद्योग मंत्री व कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश अग्निहोत्री ने भाजपा के राम कुमार को 7 हज़ार 3 सौ 77 मतों से हराया। कुटलैहड़ क्षेत्र से भाजपा के विरेन्द्र कंवर ने कांग्रेस के विवेक शर्मा को 5 हज़ार 6 सौ 6, गगरेट क्षेत्र से भाजपा के राजेश ठाकुर ने कांग्रेस के राकेश कालिया को 9 हज़ार एक सौ 7 और चिंतपूर्णी क्षेत्र में भाजपा के बलवीर सिंह ने कांग्रेस के कुलदीप कुमार को 8 हज़ार 5 सौ 79 मतों से पराजित किया है।

सिरमौर

सिरमौर ज़िले में पांवटा साहिब से भाजपा प्रत्याशी सुख राम ने कांग्रेस के किरनेश जंग को 12 हज़ार 6 सौ 19 मतों और पच्छाद से भाजपा के सुरेश कुमार कश्यप ने कांग्रेस के गंगू राम मुसाफिर को 6 हज़ार 4 सौ 27 मतों के अंतर से पराजित किया है। शिलाई से कांग्रेस उम्मीदवार हषवर्द्धन चौहान ने भाजपा के बलदेव तोमर पर 4 हज़ार एक सौ 25 और रेणुकाजी में मौजूदा कांग्रेस विधायक विनय कुमार ने भाजपा के बलबीर सिंह पर 5 हज़ार एक सौ 60 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है।

चंबा जिला

चंबा ज़िले में डलहौजी से कांग्रेस की आशा कुमारी ने भाजपा के डी.एस. ठाकुर को 4 सौ 27 जबकि चंबा सदर से भाजपा के पवन नैय्यर ने कांग्रेस के नीरज नैयर को एक हजार 8 सौ उन्नासी मतों से हराया। भटियात से भाजपा के विक्रम सिंह जरयाल कांग्रेस के कुलदीप सिंह पठानिया पर 7 हज़ार 7 मतों और भरमौर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के जियालाल कपूर ने वन मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी पर 7 हजार 3 सौ 49 मतों से जीत दर्ज की है। वहीं चुराह क्षेत्र से भाजपा के हंसराज ने कांग्रेस के सुरेन्द्र भारद्वाज को 4 हजार 9 सौ 44 मतों से पराजित किया है।

हमीरपुर ज़िला

हमीरपुर ज़िले के सुजानपुर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के राजेन्द्र राणा ने भाजपा के प्रेम कुमार धूमल को दो हज़ार 9 सौ 33, हमीरपुर में भाजपा के नरेन्द्र ठाकुर ने कांग्रेस के कुलदीप सिंह पठानिया को 5 हज़ार 3 सौ 94, नादौन में कांग्रेस के ठाकुर सुखविन्दर सिंह ने भाजपा के विजय अग्निहोत्री को एक हज़ार 9 सौ 89, भोरंज में भाजपा की कमलेश कुमारी ने कांग्रेस के सुरेश कुमार को 5 हज़ार 3 सौ 38 जबकि बडसर में कांग्रेस के इंद्रदत लखनपाल ने भाजपा के बलदेव शर्मा को 4 सौ 39 मतों से हराया है।

बिलासपुर

बिलासपुर ज़िले में श्रीनैना देवी क्षेत्र में कांग्रेस के रामलाल ठाकुर ने भाजपा के मौजूदा विधायक रणधीर शर्मा को एक हज़ार 42, जबकि बिलासपुर सदर से भाजपा के सुभाष ठाकुर ने मौजूदा विधायक बंबर ठाकुर को 6 हज़ार 8 सौ 62 मतों से पराजित किया है। घुमारवीं में भाजपा के राजेन्द्र गर्ग ने मौजूदा विधायक राजेश धर्माणी पर 10 हज़ार 4 सौ 35 मतों जबकि झंडूता में भाजपा के जे.आर कटवाल ने कांग्रेस के बीरू राम किशोर पर दो हज़ार से अधिक मतों से जीत हासिल की है।

कुल्लू–परिणाम

कुल्लू जिले के मनाली क्षेत्र से भाजपा के गोविंद सिंह ठाकुर ने कांग्रेस के हरीचंद शर्मा को 3 हज़ार 5 जबकि कुल्लू निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के सुंदर सिंह ठाकुर ने भाजपा के महेश्वर सिंह को एक हज़ार 5 सौ 38 मतों से पराजित किया है। बंजार निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के सुरेन्द्र शौरी ने कांग्रेस के आदित्य विक्रम सिंह पर 3 हज़ार 2 सौ 40 और आनी क्षेत्र से भाजपा के किशोरी लाल ने कांग्रेस के परसराम पर 5 हज़ार 9 सौ 83 मतों से जीत दर्ज की है।

किन्नौर/लाहौल

लाहौल–स्पीति की एकमात्र सीट भाजपा के पक्ष में गई है जहां पार्टी प्रत्याशी रामलाल मार्कण्डेय ने कांग्रेस के रवि ठाकुर को एक हज़ार 4 सौ 78 मतों से पराजित किया।

इधर किन्नौर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के जगत सिंह नेगी ने भाजपा के तेजवंत सिंह नेगी पर एक सौ 20 मतों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की है।

प्रधानमंत्री प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल में भाजपा को मिले समर्थन के लिए जनता को नमन करते हुए कहा कि हिमाचल में लहराया कमल–विकास की हुई भव्य जीत। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने भाजपा में अपना विश्वास जताया है और चुनाव परिणाम से स्पष्ट है कि जनता ने बेहतर सुशासन और विकास के लिए वोट किया है। प्रधानमंत्री ने भरोस दिलाया कि लोगों के इस विश्वास को कायम रखा जाएगा और इस जीत के लिए भाजपा कार्यकर्ता भी बधाई के पात्र है।

वीरभद्र प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने चुनाव परिणाम स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने काफी कार्य किए मगर जनता का फैसला मंजूर है और वे इस पराजय की ज़िम्मेदारी अपने पर लेते हैं। इस हार का कारण उन्होंने पार्टी के पास संसाधनों की कमी को बताया।

धूमल प्रतिक्रिया

विपक्ष के नेता प्रेम कुमार धूमल ने अपनी पराजय को लेकर कहा कि शायद वे सुजानपुर की जनता की आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाए। प्रेम कुमार धूमल ने बताया कि इस पराजय का आत्मनिरीक्षण किया जाएगा।

अनुराग प्रतिक्रिया

सांसद अनुराग ठाकुर ने विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत को कार्यकर्ताओं व लोगों की जीत बताते हुए इसे नए हिमाचल के निर्माण में जनता द्वारा उठाया गया एक सकारात्मक कदम बताया है। एक बयान में उन्होंने लोगों का आभार जताते हुए कहा कि हिमाचल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परिवर्तन के लिए जिस तरह लोगों ने एक तरफा मतदान किया है वह अपने आप में अभिभूत करने वाला है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में नई सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए काम करेगी।

सतपाल सत्ती प्रतिक्रिया

भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने अपनी पराजय को लेकर कहा कि इसके कई कारण हो सकते हैं मगर वे निराश नहीं हैं और उनकी सरकार प्रदेश की सेवा करेगी। हालांकि प्रेम कुमार धूमल की हार पर उन्होंने काफी निराशा व्यक्त की।

भारद्वाज प्रतिक्रिया

शिमला से चुनाव जीते भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश भारद्वाज ने कहा कि लोग कांग्रेस के भ्रष्ट शासन से तंग थे। अपनी जीत को उन्होंने शिमला की जनता को समर्पित किया।

- तेरहवीं विधानसभा में मतदाताओं ने भाजपा को दिया जनादेश– भाजपा के कई दिग्गजों को मिली पराजय।
- कांग्रेस के 5 मंत्री हारे– वीरभद्र सिंह और विक्रमादित्य सिंह जीते।
- हर पांच साल बाद सरकार बदलने की परिपाटी को मतदाताओं ने रखा कायम
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कमल लहराने पर मतदाताओं का जताया आभार।
- वीरभद्र सिंह ने हार का कारण संसाधनों की कमी बताया।